Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 7.384
Volume - 8, Issue - 5, May - 2025

DOIs:10.2018/SS/202505018 --:-- Research Paper / Article / Review

पर्यटन का संस्कृति पर प्रभावःआगरा नगर के विशेष संदर्भ में

Dr. Durga Sharma
Ph.D (Sociology), Dayalbagh Educational Institute (Deemed University), Agra, U.P.
Email - durgasharma96@gmail.com

सारांशिकाः *भारत में, सांस्कृतिक पर्यटन होता है, जो आर्थिक विकास का एक उत्कृष्ट स्त्रोत है। पर्यटन, विभिन्न स्थानीय संस्कृति एवं कला तथा कारीगर एवं मजदूरों के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है तथा सांस्कृतिक विकास के निवारक, प्रतिधारण और संवर्धन में भी योगदान देता है। सांस्कृतिक उद्देश्यों की दृष्टि से, यात्रा एवं पर्यटन, भारतीय जनसंख्या में एकीकरण को स्थापित करते हैं, जहाँ पर विभिन्न आयु, धर्म तथा आय वाले व्यक्ति सांस्कृतिक पर्यटन के लिए एक साथ समय तथा साधन को प्रबन्धित करते हैं। समग्र अर्थ में पर्यटन, बहुतायत रूप में संस्कृति को प्रभावित करता है। पर्यटन का सांस्कृतिक महत्व है कि यह विभिन्न राष्ट्र, जाति एवं प्रजाति के व्यक्तियों को एक साथ सम्पर्क में लाता है, जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान का साधन बनते हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटकों तथा पर्यटकों की संस्कृति को प्राप्त करने वाले व्यक्तियों, दोनों को प्रभावित करता है जिसके माध्यम से सांस्कृतिक परिवर्तन होता है। पर्यटन को सामाजिक मूल्य तथा संस्कृति का वाहक माना जाता है। प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य पर्यटन (विशेष रूप से आगरा नगर में) के आधार पर आने वाले सांस्कृतिक परिवर्तनों को जानना है। इस अध्ययन को पूर्ण करने हेतु शोधार्थिनी द्वारा तथ्य संकलन की द्वितीयक विधि का प्रयोग किया गया है।*

मूल शब्दः *आगरा, पर्यटन, संस्कृति, सांस्कृतिक परिवर्तन, सांस्कृतिक सम्पर्क।*

1. प्रस्तावनाः

21सवीं सदी में पर्यटन विश्व के सबसे बड़े उद्योग के रूप में विकसित हुआ है। नई वैश्विक दुनिया में प्रौद्योगिकी, दूरसंचार तथा पर्यटन वैश्विक अर्थव्यवस्था को नियन्त्रित करेंगे। पर्यटन का भारत की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार, संस्कृति तथा विरासत पर सीधा प्रभाव पड़ता है तथा साथ ही यह अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को भी विकसित करता है। पर्यटन, यात्रा तथा मेजबान, दोनों देशों को प्रभावित करता है। जब व्यक्ति पर्यटन के लिए जाते हैं, तब उनका भ्रमण सिर्फ एक स्थान, एक होटल का बिस्तर, भोजन तथा ऐतिहासिक इमारतों जैसे-ताजमहल देखने तक ही सीमित नहीं होता बल्कि, अनजाने में पर्यटक एक विभिन्न पर्यावरण, भौगोलिक विशेषताएँ, मोलभाव, विलाससेवा, आवाभगत, संस्कृति तथा विरासत को भी प्रभावित करता है।(इग्नू,इकाई-1)

पर्यटन एक सांस्कृतिक प्रघटना है। यह संस्कृति तथा समाज, दोनों को प्रभावित करता है तथा संस्कृति एवं समाज, दोनों के द्वारा प्रभावित भी होता है। स्पष्ट रूप में, पर्यटन समाज को विकसित एवं प्रभावित करने का अनूठा स्त्रोत है क्योंकि पर्यटन का मेजबान समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पर्यटन के प्रभावों को सिर्फ अल्पविकसित समाजों में ही नहीं वरन् विकसित तथा विकासशील समाजों में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पर्यटन सिर्फ संस्कृति तथा समाज को प्रभावित ही नहीं करता, बल्कि उनको संरक्षित भी करता है तथा संस्कृति को हस्तांतरित भी करता है।

पर्यटन सांस्कृतिक होने के साथ-साथ आर्थिक प्रघटना भी है। भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पर्यटन से प्रभावित होती है तथा पर्यटन के माध्यम से प्रत्येक वर्ष जी०डी०पी० की दर में भी वृद्धि होती है। विश्व यात्रा तथा पर्यटन परिषद (डब्लू०टी०टी०सी०) की गणना के अनुसार-पर्यटन के माध्यम से वर्ष 2011 में भारत की जी०डी०पी० दर 6.4 प्रतिशत थी तथा यह अनुमान लगाया गया था कि यह दर 7.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगी। वर्ष 2011 में विश्व यात्रा तथा पर्यटन परिषद (डब्लू०टी०टी०सी०) ने यह घोषणा की थी कि वर्ष 2011 से वर्ष 2021 के मध्य पर्यटन की दर 8.8 प्रतिशत होगी।(अरूनमोझी एवं

पनीरसेल्वम,2013)। पर्यटन अनेक क्षेत्रों तथा देशों में आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत होता है। व्यक्तियों की जीवनशैली में परिवर्तन आना, उपभोग तथा व्यस्ततापूर्ण जीवन में आनन्द के लिए समय निकालना तथा परिवार के साथ समय बिताना आदि कारणों ने परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। पर्यटन को बुर्जुआ वर्ग की जीवनशैली के रूप में देखा जा सकता है, जो अपने सीमित समय से बाहर निकलकर विश्व के अनेक भागों की अनोखी इमारतों को देखने तथा संस्कृति को सीखने, विभिन्न पर्यटन स्थल पर जाते हैं। पर्यटन बहुआयामी होता है तथा वर्तमान में जटिल प्रघटना बन गया है, जिसे समाज विज्ञान में विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से अन्वेशित किया जा सकता है। समाज विज्ञानों में समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज तथा संस्कृति के विभिन्न पक्षों जैसे-रीति-रिवाज, जीवन अवसर, प्रथाएँ आदि का अध्ययन किया जाता है। समाजशास्त्रीय अर्थ में, पर्यटन को पर्यटक की भूमिका, पर्यटन का समाज पर प्रभाव, पर्यटक का व्यवहार तथा पर्यटन स्थल पर समाज, विश्वास, विचार, प्रथा आदि को प्रभावित करने वाले प्रभावों के रूप में देखा जा सकता है।(संदीप एवं विनोद,2014)

1.1 पर्यटनः

पर्यटन भ्रमण तथा ठहराव की प्रक्रिया है। जब कोई व्यक्ति किसी जगह पर जाता है तथा 24 घण्टे या उससे ज्यादा ठहरता है, तब इस प्रक्रिया को पर्यटन का नाम दिया जाता है। यात्रा तथा पर्यटन में अन्तर होता है। यात्रा व्यक्तिगत होती है, जबकि पर्यटन अधिकांशतः सामूहिक होता है।

विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार-जब लोग 24 घण्टे से ज्यादा और 1 वर्ष से कम की अवधि के लिए अपने कार्यस्थल से बाहर निकलते हैं, तब इस गतिविधि को पर्यटन में शामिल किया जाता है। ब्रूसलिन तथा बाउड्रिलार्ड जैसे कई लेखक ये मानते हैं कि पर्यटक एक साथ समूह में या किसी निर्देशन में कार्य करते हैं। लीग ऑफ नेशन्स ने 1937 में पर्यटन को परिभाषित किया और कहा कि पर्यटन एक सामाजिक गतिविधि है, जिसमें एक व्यक्ति किसी देश में निर्धारित कार्यक्रम के अलावा 24 घण्टे या उससे ज्यादा ठहरता है। प्रस्तुत परिभाषा में घरेलू पर्यटन की जगह अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन पर अधिक बल दिया गया है। 1963 के रोम सम्मेलन में पर्यटक (टूरिस्ट) शब्द के स्थान पर आगुन्तक (विजिटर) शब्द के प्रयोग का सुझाव दिया गया था। 1976 में ब्रिटेन की टूरिस्म सोसाइटी ने भी पर्यटन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि पर्यटन एक अस्थाई और लघु अवधि गतिविधि है, जिसमें लोग कुछ समय के लिए अपने कार्य-स्थलों, घरों, निवास-स्थानों से बाहर निकलकर दूसरी जगह जाते हैं, रहते हैं तथा काम करते हैं। ए०आई०ई०एस०टी० ने भी 1981 में पर्यटन की परिभाषा को सुधारते हुए यह स्पष्ट किया है कि घर के माहौल से बाहर होने वाली गतिविधियों को पर्यटन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।(इग्नू, इकाई-1)

1.2 संस्कृतिः

समाजशास्त्र में संस्कृति को सामान्य अर्थ में नहीं बल्कि विशिष्ट अर्थ में समझा जाता है। संस्कृति सीखा हुआ व्यवहार होती है। संस्कृति आदर्शात्मक होती है जो पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती है। संस्कृति के अन्तर्गत मूल्य, ज्ञान, परम्परा, रीति-रिवाज, प्रथाएँ, लोकाचार, मानदण्ड, व्यवहार, विश्वास, विचार, मनोवृति तथा कला आदि सम्मिलित होते हैं। **टायलर** के शब्दों में, संस्कृति एक ऐसा जटिल समग्र है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा अन्य दूसरी समर्थताएँ सम्मिलित हैं जो समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य द्वारा अर्जित की जाती हैं। **बीयरस्टीड** के शब्दों में, संस्कृति उन सब वस्तुओं का जटिल समग्र है जिसमें वह सब निहित है जो कुछ हम समाज के सदस्य होने के नाते सोचते और करते हैं। **हरस्कोविट्स** के शब्दों में, संस्कृति पर्यावरण का मानव-निर्मित भाग है।(विद्याभूषण एवं सचदेव,2014)

संस्कृति मुख्य रूप से आदर्शों, मानदण्डों, मूल्यों और धारणाओं से बनी होती है जो लोगो के बीच व्यापक रूप से साझा की जाती है एवं विशिष्ट समाज के लिए जीवन और व्यवहार के विशिष्ट तरीकों का मार्गदर्शन करती है। संस्कृति आनुवंशिक रूप से विरासत में नहीं मिलती है, लेकिन ये हमेशा एक समाज के सदस्यों द्वारा साझा एवं हस्तांतरित की जाती है। यह एक समूह के सदस्यों को दूसरे समूह के सदस्यों से अलग करती है। यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पारित की जाती है। यह गतिशील होती है क्योंकि प्रत्येक पीढ़ी संस्कृति को हस्तांतरित करने से पहले कुछ जोड़ती है। संस्कृति अर्थों की एक प्रणाली है जिसके माध्यम से वास्तविकता की प्रकृति को पहचाना तथा सभ्यता को बनाए रखा जाता है। संस्कृति या सभ्यता को परिभाषित करना जटिल

है, लेकिन इसे आदर्श, विश्वास, नृत्य, संगीत, हस्तकला, मूर्तियाँ, पेंटिंग, कला, नैतिकता, रीति-रिवाज, परम्पराओं और अन्य क्षमताओं एवं आदतों के मिश्रण के रूप में देखा जा सकता है जिसे मनुष्य, समाज का सदस्य होने के नाते अर्जित करता है।

1.3 सांस्कृतिक पर्यटनः

सांस्कृतिक पर्यटन एक ऐसा पर्यटन है जो पर्यटकों को विभिन्न स्थानीय संस्कृति जैसे-त्यौहार एवं परम्पराओं में भाग लेने, देखने व जानने के लिए उत्साहित करता है। इस प्रकार पर्यटक का विभिन्न संस्कृतियों से सम्पर्क होता है। सांस्कृतिक पर्यटन स्थानीय समाज के लोगों को अपनी संस्कृति को समाविष्ट करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार से समुदाय के लोग अपनी संस्कृति की प्रशंसा करते हैं तथा उसे विकसित करते हैं। सांस्कृतिक पर्यटन को महत्व देते हुए राष्ट्र, नगर तथा गाँव को विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है, जो पर्यटक को विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करने के लिए आकर्षित करेगा। भारत की संस्कृति प्राचीनकाल से ही प्रसिद्ध है। विश्व के विभिन्न देशों के पर्यटक दूर-दूर से भारत की संस्कृति तथा विरासत को देखने आते हैं एवं उन्हें ग्रहण भी करते हैं। सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय को स्थापित किया है जिसने, अतुलनीय भारत अभियान, नाम की योजना लागू की है, जो भारत में सांस्कृतिक पर्यटन के उद्योग को बढ़ाने में योगदान देगा।(क्लियर आई०ए०एस०,2013)

भारत विभिन्नता में एकता का देश है। यहाँ विभिन्न प्रकार की संस्कृतियाँ देखी जा सकती हैं। ये संस्कृतियाँ देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। भारत में विभिन्न प्रकार के मेलों का आयोजन किया जाता है जैसे-पुष्कर मेला (राजस्थान), ताजमहोत्सव (आगरा), सूरजकुण्ड मेला (दिल्ली), चैती मेला (काशीपुर) आदि, जिन्हें पर्यटक दूर-दूर के नगरों तथा राज्यों से देखने आते हैं। अनेक पर्यटक प्रसिद्ध इमारतों तथा विरासतों को देखने जाते हैं जैसे-ताजमहल (उत्तरप्रदेश), हवामहल (राजस्थान), हम्पी (कर्नाटक), अजन्ता एवं एलोरा की गुफाएँ (महाराष्ट्र) तथा महाबलिपुरम (तमिलनाडु) आदि।(क्लियर आई०ए०एस०,2013)। पर्यटक अनेक धार्मिक स्थलों पर भी पर्यटन के लिए जाते हैं। पर्यटक संस्कृति को सिर्फ देखते ही नहीं वरन् ग्रहण भी करते हैं। सांस्कृतिक पर्यटन के माध्यम से पर-संस्कृतिग्रहण की प्रक्रिया निरन्तर चलती है, जिसके कारण सांस्कृतिक परिवर्तन आते हैं।

भारतीय संस्कृति प्रत्येक स्थल एवं जलवायु के अनुसार परिवर्तित हो जाती है। व्यक्ति अलग-अलग प्रकार की पोशाक पहनते हैं, अलग प्रकार का भोजन करते हैं एवं अलग-अलग धर्मों का अनुसरण करते हैं, परन्तु स्वभाव से सब भारतीय होते हैं। भारत में विवाह को दो व्यक्तियों के मिलाप से नहीं वरन् दो परिवारों के मिलाप से समझा जाता है।

1.4 आगरा में पर्यटनः

भारत के उत्तरी भाग में स्थित आगरा, उत्तर प्रदेश राज्य का हिस्सा है। यह विश्व के उत्कृष्ट पर्यटन स्थलों में एक है। (बनर्जी,2021)। आगरा अपनी सुन्दर इमारतों से सम्पूर्ण विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करता है। आगरा नगर का उल्लेख भारत के प्रमुख पौराणिक ग्रन्थों जैसे-महाभारत में भी किया गया है। मुगलकाल, आगरा के इतिहास में सुनहरा काल माना जाता है, जिसे पूर्व में अकबराबाद के नाम से जाना जाता था। आगरा नगर अकबर, जहाँगीर तथा शाहजहाँ की राजधानी था। अकबर, जहाँगीर तथा शाहजहाँ ने आगरा नगर से अपने राज्य पर शासन किया। मुगलों के द्वारा दिल्ली को अपनी राजधानी बनाने से पहले आगरा नगर मुगल सांस्कृतिक विस्तार का केन्द्र बन गया।

आगरा एक अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल है। प्रत्येक वर्ष अनेक पर्यटक आगरा के स्मारकों, कलाओं, संस्कृतियों को देखने आते हैं एवं आगरा की संस्कृति से आकर्षित ही नहीं होते बल्कि उससे प्रभावित होने के साथ-साथ उसका अनुसरण भी करते हैं। आगरा में अनेक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं। ताजमहल, आगरा किला, अकबर का किला, मेहताब बाग, फतेहपुर सीकरी तथा ताज नेचर वॉक आदि आगरा में स्थित हैं, जो सम्पूर्ण विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार-आगरा का ताजमहल देश का सबसे प्रसिद्ध गंतव्य स्थल है। देश की शीर्ष 10 स्मारकों में ताजमहल तथा आगरा का किला, विदेशी तथा घरेलू पर्यटकों द्वारा सबसे अधिक देखी जाने वाली स्मारक है। सी०एन०वी०सी० आवाज ट्रैवल अवॉर्ड के अनुसार-उत्तर में स्थित गंतव्य स्थलों में आगरा को सबसे प्रसिद्ध गंतव्य स्थल तथा ताजमहल को सबसे अधिक प्रबन्धित

ऐतिहासिक स्मारक का अवॉर्ड मिला। आगरा की पृष्ठभूमी समृद्ध एवं ऐतिहासिक है, जो आगरा नगर में तथा नगर के चारों ओर स्थित अनेक ऐतिहासिक स्मारकों के द्वारा प्रदर्शित होता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार-आगरा में 9 ऐतिहासिक स्मारक हैं जिन्हें केन्द्र के द्वारा संरक्षित किया जाता है- 1.ताजमहल, 2.आगरा किला, 3.सिकन्दरा, 4.फतेहपुर सीकरी, 5.अकबर का किला, 6.मरियम का किला, 7.एत्माद-उद-दौला, 8.रामबाग तथा, 9.मेहताबबाग, जिसमें से ताजमहल, आगरा किला एवं फतेहपुर सीकरी, यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में गिने जाते हैं।(मिश्रा,2013)। इसके अतिरिक्त दयालबाग मन्दिर, बटेश्वर मन्दिर, चीनी का रौजा एवं कीठम झील भी आगरा में स्थित हैं तथा आगरा पेठा उद्योग, चमड़ा उद्योग, संगमरमर के कार्य एवं लघु चित्रकला के लिए भी विश्व प्रसिद्ध है।

2. साहित्यिक पुनर्वलोकनः

श्रीवास्तव (2011) ने आगरा नगर के आर्थिक प्रभावों का व्यक्तिगत अध्ययन किया। अध्ययन को पूर्ण करने के लिए 100 घरेलू पर्यटकों को उद्देश्यपूर्ण निदर्शन द्वारा चुनकर प्रश्नावली तथा अनुसूची द्वारा तथ्य संकलन कर सर्वेक्षण किया। अध्ययन में पाया गया कि पर्यटन विदेशी मुद्रा आय को बढ़ाता है तथा शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

संदीप तथा विनोद (2014) ने समाजशास्त्रीय अर्थ में पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों को जानने का प्रयास किया। उन्होनें बताया कि सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों को दो स्वरूपों में जाना जा सकता है। पहला है-प्रत्यक्ष प्रभाव, जिन्हें एक समुदाय में आर्थिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तन के रूप में देखा जा सकता है तथा दूसरा है-अप्रत्यक्ष प्रभाव, जो विभिन्न व्यक्तियों के बीच परस्पर क्रिया से उत्पन्न होते हैं। ताहिती समाज का संदर्भ देते हुए ये बताया है कि ताहिती समाज में पर्यटन के प्रभाव से महिलाओं तथा पुरूषों की सामाजिक भूमिका में परिवर्तन आए हैं। उन्होनें पर्यटन के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभावों को बताने का प्रयास किया तथा ये निष्कर्ष दिया कि पर्यटन के माध्यम से समाज में मूल्यों तथा पारम्परिक रीति-रिवाजों का व्यापारीकरण होना प्रारम्भ हो गया है।

सिंगला (2014) ने जयपुर नगर में पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का एक व्यक्तिगत अध्ययन किया तथा 500 विद्यार्थियों को उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि द्वारा चुनकर सर्वेक्षण विधि से तथ्य संकलन कर अध्ययन को पूर्ण किया। अध्ययन का उद्देश्य जयपुर के निवासियों द्वारा ग्रहण किए गए पर्यटन के प्रभावों को जानना था। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अधिकतम पर्यटक पुरूष (21-30 वर्ष) थे जो अधिकतम पाँच वर्ष नगरीय समुदाय में संयुक्त परिवार के बीच रहे थे। अध्ययन ये इंगित करता है कि पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा महिलाओं की पारम्परिक प्रस्थिति में भी परिवर्तन आते हैं।

शंकर (2015) ने अपने व्यक्तिक अध्ययन में भारत में विरासत पर्यटन के प्रभावों को जानने का प्रयास किया तथा यह निष्कर्ष दिया कि पर्यटन देश की जी०डी०पी० दर तथा विदेशी मुद्रा आय को बढ़ाने में योगदान देता है। यह भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसे गरीबी को मिटाने तथा समानता को बढ़ावा देने का एक साधन भी माना गया है।

शाहजलाल (2016) ने संस्कृति पर पर्यटन के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभावों को जानने के लिए साहित्य की जटिल समीक्षा की है। नकारात्मक प्रभावों का वर्णन करते हुए बताया है कि पर्यटन के कारण संस्कृतिग्रहण पर प्रभाव पड़ता है, नई संस्कृति विकसित तथा पारम्परिक संस्कृति क्षीण होने लगती है एवं संस्कृति का व्यापारीकरण होना प्रारम्भ हो जाता है। सकारात्मक प्रभावों का वर्णन करते हुए बताया है कि पर्यटन संस्कृति को संरक्षित करता है, संरचनात्मक परिवर्तन लाता है, सामूहिकता को बढ़ाता है तथा स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत बनाता है।

बनर्जी (2021) ने पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रबन्धन (विशेष रूप से आगरा नगर) का अध्ययन किया तथा एक स्वोट (एस०डब्लू०ओ०टी०) विश्लेषण प्रस्तुत किया। स्वोट स्ट्रेन्थ्स, वीकनेस, अपोरचुनिटी तथा थ्रेट्स को प्रस्तुत करता है। उन्होनें अपने अध्ययन में बताया कि आगरा को ऐतिहासिक पर्यटन स्थल के रूप में परिचय देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि विश्व प्रसिद्ध ताजमहल, जो सात अजूबों में गिना जाता है, आगरा में स्थित है। उन्होंने आगरा में पर्यटन से सम्बन्धित आधारभूत संरचनात्मक सुविधाओं, उनके प्रबन्धन, बिजली आपूर्ती तथा नागरिक मूल्यों आदि कमियों को उजागर किया है।

3. उद्देश्यः पर्यटन के द्वारा होने वाले सांस्कृतिक सम्पर्क तथा सांस्कृतिक परिवर्तन का विश्लेषण करना।

4. शोध पद्धितिः प्रस्तुत अध्ययन को पूर्ण करने के लिए शोधार्थिनी ने तथ्य संकलन की द्वितीयक विधि का प्रयोग किया है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकाशित दस्तावेज, पुस्तक, जर्नल, सरकारी अभिलेख तथा इंटरनेट आदि आते हैं।

5. सांस्कृतिक सम्पर्क एवं पर्यटनः

भारत की संस्कृति विशिष्ट होने के कारण भारत में सांस्कृतिक पर्यटन होता है। पर्यटक देश की संस्कृति से आकर्षित होते हैं एवं विभिन्न प्रदेशों से संस्कृति को देखने आते हैं। पर्यटन के कारण सांस्कृतिक सम्पर्क होता है। सामान्यतः पर्यटक, पर्यटन स्थल पर भ्रमण के लिए आते हैं तथा नगर के सम्पूर्ण पर्यटन स्थलों का अनुभव करने के लिए कुछ दिन नगर में ठहरते हैं। नगर के स्थानीय निवासी पर्यटकों की संस्कृति से तथा पर्यटक स्थानीय निवासियों की संस्कृति के सम्पर्क में आते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पर-संस्कृतिग्रहण क्रिया होती है, जो व्यक्तियों के जीवन एवं उनके सामाजिक पर्यावरण को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करती है। पर-संस्कृतिग्रहण क्रिया से व्यक्तियों की मूल्य व्यवस्था, विश्नास, रीति-रिवाज, प्रथाएँ, जीवन जीने के तरीकों एवं विचार आदि में परिवर्तन होता है। परिवर्तन सिर्फ पर्यटक एवं मेजबान के बीच घटित न होकर एक वृहद सामाजिक परिप्रेक्ष्य में घटित होता है, जिसके माध्यम से समाज में सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तन आते हैं, जिन्हें दो प्रकार से देखा जा सकता है-प्रथम, समुदाय में आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन के प्रत्यक्ष रूप में तथा द्वितीय, व्यक्तिगत परस्पर क्रिया के अप्रत्यक्ष रूप में।

आगरा, उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। देश-विदेश से अनेक पर्यटक आगरा की सांस्कृतिक विरासत एवं ताजमहल की सुन्दरता को देखने आते हैं तथा अप्रत्यक्ष रूप से आगरा की संस्कृति से सम्पर्क स्थापित करते हैं, जिससे वे प्रतिबिम्बित होते हैं। आगरा का ताजमहल अनेक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार-वर्ष 2006 में 5 लाख विदेशियों को सम्मिलित करने पर कुल 25 लाख पर्यटक आगरा आए। वर्ष 2011 में यह आंकड़ा दो गुना हो गया। पिछले वर्षों में 5 प्रतिशत वृद्धि की दर से वर्ष 2011 में 6.8 लाख विदेशी पर्यटक आगरा भ्रमण के लिए आए।(विशाल एवं अन्य,2016)। पर्यटक भ्रमण के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों की खोज करते हैं एवं स्थानीय भोजन करने तथा स्थानीय लोगों की जीवनशैली को जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। आगरा के निवासी भी विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों वाले पर्यटकों से मिलते हैं, उनकी संस्कृति से प्रभावित होते हैं एवं ग्रहण भी करते हैं। पर-संस्कृतिग्रहण के कारण स्थानीय संस्कृति में परिवर्तन होता है तथा व्यक्तियों के व्यवहार, जीवनशैली, भोजन एवं पहनावे आदि में परिवर्तन आते हैं।

भारत, विशेष कला, संस्कृति एवं विरासत के लिए प्रसिद्ध है। विदेशी पर्यटक भारत की संस्कृति एवं कला को जानने हेतु उत्सुक रहते हैं। देश-विदेश में कला एवं संस्कृति के लिए प्रसिद्ध आगरा के शिल्पग्राम में, प्रत्येक वर्ष दस दिनों के लिए ताजमहोत्सव का आयोजन किया जाता है। ताजमहोत्सव में भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों के कारीगर अपनी प्रसिद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं। दूर-दूरस्थलों से विभिन्न जाति एवं धर्म वाले व्यक्ति ताजमहोत्सव को देखने आते हैं। यह सांस्कृतिक सम्पर्क का एक अनूठा उदाहरण है।

हुनरहाट के इक्तालिसवें संशोधन का आयोजन आगरा के शिल्पग्राम में वर्ष 2022 में 18 मई से 29 मई तक किया गया था, जिसमें देश के 32 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के 800 कारीगरों एवं शिल्पकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया था। हुनरहाट एक छत के नीचे सम्पूर्ण देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं कला को प्रदर्शित करने तथा सांस्कृतिक सम्पर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। हुनरहाट प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के आन्दोलन "लोकल फॉर वोकल" तथा "आत्मनिर्भर भारत" योजना को मजबूत बनाने तथा भारत की वर्षों पुरानी कला को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हुनरहाट के माध्यम से पिछले 6 वर्षों में देश के विभिन्न खण्डों के 10 लाख 50 हजार कारीगरों एवं शिल्पकारों को रोजगार अवसर प्रदान किए गए हैं। हुनरहाट

में हाथ, मिट्टी, शीशे, पीतल, लकड़ी, लोहे, हथकरघा एवं हस्तशिल्प के उत्पाद, विभिन्न क्षेत्रों के पारम्परिक भोजन, संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि विभिन्न राज्यों के घरेलू एवं सांस्कृतिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।(पी०आई०बी०,दिल्ली,2022)। कोठीमीनाबाजार, सदरबाजार तथा किनारीबाजार भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आगरा की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा, आगरा नगर के विभिन्न स्थलों पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा ताजमहल एवं आगरा फोर्ट पर लाइट शो का आयोजन होता है, जिसके द्वारा आगरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को प्रदर्शित, प्रबन्धित एवं संरक्षित कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है। ताजमहल के समीप 1990 में निर्मित सर्किट हाउस भी पर्यटकों के लिए आकर्षण केन्द्र है। चारों तरफ हरियाली से घिरे हुए सर्किट हाउस में बड़े नेता तथा अधिकारी अपनी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करते हैं तथा पर्यटक एवं स्थानीय निवासी सुबह की सैर तथा अनेक शारीरिक व्यायाम करने सर्किट हाउस आते हैं, जिससे विदेशी एवं स्थानीय संस्कृति परस्पर सम्पर्क में आती है।

सांस्कृतिक पर्यटन से समाज में एकीकरण होता है। पर्यटन, कला को संरक्षित रखता है। पर्यटकों को अपनी संस्कृति के प्रति आकर्षित करने के लिए मेजबान समाज अपनी संस्कृति एवं विरासत को संरक्षित एवं सुरक्षित रखता है। सांस्कृतिक सम्पर्क के कारण भूमण्डलीकरण होता है। पर्यटक संस्कृति को अपने राज्यों एवं देशों में स्थानान्तरित करते हैं जिससे संस्कृति का सार्वभौमीकरण होता है। उदाहरणस्वरूप, यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि विदेशी पर्यटक भारतीय परिधानों को पहनते हैं, भारतीय भोजन ग्रहण करते हैं एवं भारतीय धर्म तथा त्यौहारों का अनुसरण करते हैं।

6. सांस्कृतिक परिवर्तन एवं पर्यटनः

जब किसी समाज की संस्कृति अर्थात् लोगों की सोच, मूल्य, विश्वास, मान्यताओं, रीति-रिवाज तथा मानदण्ड आदि में परिवर्तन होने लगते हैं, तब उसे सांस्कृतिक परिवर्तन कहा जाता है।(एन०सी०ई०आर०टी०,कक्षा-12)। सांस्कृतिक तत्व संस्कृति की सबसे छोटी इकाई होते हैं। जब सांस्कृतिक तत्वों में परिवर्तन आने प्रारम्भ हो जाते हैं, तब संस्कृति भी परिवर्तित होने लगती है। परिवर्तन प्रत्येक समाज में पाए जाते हैं, जिसके कारण समाज की संस्कृति भी परिवर्तित होती रहती है। अन्य शब्दों में, सांस्कृतिक पक्षों जैसे-मूल्य, कला, विश्वास तथा मानदण्ड आदि में होने वाले परिवर्तनों को सांस्कृतिक परिवर्तन कहते हैं। सांस्कृतिक परिवर्तन को चार प्रक्रियाओं के माध्यम से समझा जा सकता है-संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण तथा आधुनिकीकरण।

पर्यटन के कारण संस्कृति का प्रसार होता है। पाश्चात्य संगीत, नृत्य, फैशन, भोजन तथा जीवनशैली आदि ने भारतीय संस्कृति को प्रभावित कर परिवर्तित कर दिया है। (इनफोरसिस,2020)। संस्कृति हमेशा पर्यटन का प्रमुख केन्द्र रही है। सांस्कृतिक पर्यटन में शहरी क्षेत्रों, विशेष रूप से ऐतिहासिक उद्देश्य या बड़े संग्रहालयों वाले पर्यटन शामिल हैं। यह देखा गया है कि सांस्कृतिक आकर्षण, पर्यटन के लिए विशेष रूप से मजबूत चुम्बक का कार्य करता है, जिसको अनुभव करने के लिए पर्यटक गंतव्य का दौरा करते हैं। जब दो विभिन्न संस्कृतियाँ (पर्यटक संस्कृति तथा मेजबान संस्कृति) मिलती हैं, तब उनका सम्पर्क होना तथा दोनों पर प्रभाव पड़ना स्वभाविक है। प्रारम्भ में दोनों संस्कृतियों में संघर्ष होता है तथा बाद में दोनों संस्कृतियाँ एक पैटर्न का पालन करने लगती हैं और एक दूसरे के अनुकूल हो जाती हैं, जिससे सामाजिक परिवर्तन होता है। पर्यटन के कारण मेजबान समाज पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव पड़ता है, जो कला, कलाकृति, रीति-रिवाज, संस्कार एवं अनुष्ठान, मूल्य, जीवनशैली, भाषा, विचार तथा व्यवहार आदि में परिवर्तन के रूप में संदर्भित होता है, जिसके कारण समुदाय, संरचना, पारिवारिक सम्बन्धों, गतिशीलता तथा अभिव्यक्ति में परिवर्तन होता है।(इग्नू,इकाई-13)। पर्यटन सामाजिक परिवर्तन का दूत होता है। संस्कृति तथा पर्यटन के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद सम्बन्ध होता है तथा यह सम्बन्ध स्थल, क्षेत्रों एवं देशों के आकर्षण तथा प्रतियोगिता को मजबूत बनाता है। संस्कृति पर्यटन का अनमोल भाग होती है। यह विश्व स्तर पर भीड़-भाड़ वाले बाजार में विशिष्टता उत्पन्न करती है। उसी तरह पर्यटन भी संस्कृति एवं आय को बढ़ाने का एक उत्तम साधन हैं, जिससे संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखा जाता है।(संदीप एवं विनोद,2014)

पर्यटन के द्वारा आगरा में सांस्कृतिक परिवर्तनों को दो रूपों में देखा जा सकता है-सकारात्मक तथा नकारात्मक। सकारात्मक सांस्कृतिक परिवर्तनों के अन्तर्गत, पर्यटन के कारण आगरा की समकालीन संस्कृति में उच्च तथा निम्न संस्कृति के मध्य भेद मिट गया है तथा कला, शिक्षा, फोटोग्राफी, संगीत, खेलकूद, खरीददारी तथा अन्य स्थापत्य के बीच अन्तर समाप्त होता जा रहा है।(इग्नू,इकाई-2)। पर्यटन के कारण सांस्कृतिक विनिमय एवं सांस्कृतिक निर्यात हुआ है। पर्यटक सिर्फ भ्रमण के लिए ही नहीं आते वरन् आगरा की ऐतिहासिक इमारतों को देखने के साथ-साथ संस्कृति को भी पसन्द करते हैं तथा साथ ही आगरा प्रसिद्ध पेठा, लेदर तथा मार्बल के उत्पादों में भी रूचि रखते हैं तथा उनका क्रय-विक्रय करते हैं जिससे पेठा, लेदर तथा मार्बल उद्योगों का विस्तार हुआ है तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप, आगरा की संस्कृति का आदान-प्रदान होता है, अर्थव्यवस्था मजबूत होती है तथा होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, हस्तशिल्प उद्योग एवं स्थानीय दुकानदारों को बढ़ावा मिलता है। पर्यटकों की संस्कृति को ग्रहण करने से आगरा की स्थानीय संस्कृति में अनेक परिवर्तन आए हैं। युवाओं एवं महिलाओं की विचारधारा एवं जीवनशैली परिवर्तित हुई हैं। आगरा निवासियों पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव पड़ने से वे पहले से अधिक आधुनिक एवं खुली विचारधारा वाले हो गए हैं। पर्यटन में वृद्धि होने के कारण आगरा में आधुनिकीकरण तथा धर्मनिरपेक्षीकरण में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप, सामाजिक तथा धार्मिक मूल्यों, भोजन, वस्त्र, जीवनशैली, भाषा, विचारधारा एवं परम्पराओं आदि में परिवर्तन आए हैं।

जी 20 सम्मेलन होने से पर्यटन में वृद्धि होने के कारण आगरा में संरचनात्मक सुधार किया गया है तथा आगरा को पूर्व से अधिक सुन्दर एवं स्वच्छ बनाया जा रहा है। यमुना नदी को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया जा रहा है तथा यमुना आरती एवं फ्लॉवर शो जैसी प्रदर्शिनी भी आयोजित की जा रही है। पर्यटन में वृद्धि होने के कारण आगरा की सड़कों एवं इमारतों को स्वच्छ रखा जाता है तथा विभिन्न चित्रकारों द्वारा आगरा में अनेक स्थलों पर सुन्दर आकृतियाँ बनाई गई हैं, जो आगरा का इतिहास तथा संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा नई सड़कों एवं फ्लाईओवर का निर्माण, परिवहन तथा संचार के साधनों में सुधार एवं रेलवे स्टेशनों को आधुनिक रूप में विकसित किया जा रहा है। आगरा में मैट्रो के प्रारम्भ ने पर्यटकों को आकर्षित किया है तथा पर्यटन को सुविधाजनक बनाया है। स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत आगरा को स्मार्ट सिटी में सम्मिलित करने तथा पर्यटन में वृद्धि की दृष्टि से आगरा में सरकार द्वारा स्वच्छता पर ध्यान दिया गया है तथा विभिन्न स्थलों पर सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण एवं कूड़ेदान की व्यवस्था की गई है। पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए डिजिटल साइन बोर्ड, कैमरा एवं वाई-फाई का प्रबन्ध किया गया है तथा आगरा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग में वृद्धि की गई है। आगरा विकास प्राधिकरण के द्वारा चौपाटी नाम से भोजनस्थल प्रारम्भ किया गया है, जहाँ पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध भोजन की स्टॉल लगाई गई हैं, जिसके माध्यम से स्थानीय संस्कृति का सार्वभौमीकरण तथा सार्वभौमिक संस्कृति का स्थानीयकरण हुआ है।

पर्यटन के नकारात्मक सांस्कृतिक परिवर्तनों के अन्तर्गत, आगरा की स्थानीय संस्कृति बहुत अधिक प्रभावित हुई है। विदेशी संस्कृति से आकर्षित होकर आगरा के निवासी स्थानीय संस्कृति को संरक्षित रखने में असफल हो रहे हैं एवं स्थानीय संस्कृति का व्यापारीकरण होना प्रारम्भ हो गया है। पर्यटन के प्रभाव से धर्म की नीतियों में परिवर्तन आए हैं। विदेशी लोग भारतीय लोगों की संस्कृति का अनुसरण करके धार्मिक होते जा रहे हैं एवं भारतीय लोग विदेशी पर्यटकों की संस्कृति को ग्रहण करके अधार्मिक होते जा रहे हैं। पर्यटन के कारण आगरा में जनसंख्या वृद्धि हुई है तथा व्यक्तियों द्वारा अधिक मात्रा में वाहनों के उपयोग ने पर्यावरण प्रदूषण में वृद्धि की है, जिसके प्रभाव को प्रमुख ऐतिहासिक इमारतों पर भी देखा जा सकता है। पर्यटन से आगरा में भ्रष्टाचार बढ़ा है तथा पर्यटन स्थलों के आस-पास की भूमि की दर तथा रिक्शा के किराये में वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों को समस्या का सामना करना पड़ता है। पर्यटन में वृद्धि के कारण सिर्फ पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर ही अधिक ध्यान दिया जा रहा है तथा अन्य क्षेत्रों को अधिक विकसित नहीं किया जाता है। पर्यटन स्थलों में भी ताजमहल तथा आगरा फोर्ट के संरक्षण पर ही अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। पर्यटकों की सुविधा के लिए मैट्रों के विकास के कारण अनेक वृक्षों का कटान किया जा रहा है, जो पर्यावरण की दृष्टि से बहुत हानिकारक है।

पर्यटन के संस्कृति पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों को निम्नतालिका द्वारा स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है।(शाहजलाल,2016)

तालिका संख्या-6.1

सकारात्मक प्रभाव	**नकारात्मक प्रभाव**
संस्कृति संरक्षण	पर-संस्कृतिग्रहण पर प्रभाव
संस्थात्मक संरचना का निर्माण	हाइब्रिड संस्कृति
व्युत्पन्न माँग	संस्कृति का व्यापारीकरण
सामूहिकता को प्रेरित करना	

7. निष्कर्ष:

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। संस्कृति गतिशील होती है। अतः संस्कृति में परिवर्तन होना स्वभाविक होता है। पर्यटन के बढ़ने से सांस्कृतिक परिवर्तन तेज गति से होने लगता है। निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि पर्यटन का संस्कृति पर प्रभाव पड़ने से सांस्कृतिक परिवर्तन होता है, जो सकारात्मक तथा नकारात्मक हो सकता है। आगरा में, ताजमहल तथा अन्य यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के कारण, पर्यटन ने आगरा के पर्यावरण तथा स्थानीय संस्कृति को, सकारात्मक तथा नकारात्मक, दोनों रूपों में प्रभावित किया है। आगरा में पर्यटन के द्वारा आधुनिकीकरण, संस्कृतिकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं भूमण्डलीकरण आदि प्रक्रियाओं में सकारात्मक रूप से वृद्धि हुई है तथा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं संरचनात्मक सुधार हुआ है। सकारात्मक प्रभावों के साथ ही पर्यटन के द्वारा जनसंख्या वृद्धि, भ्रष्टाचार, पर्यावरण प्रदूषण, मूल्य वृद्धि, स्थानीय संस्कृति का वस्तुकरण तथा सामाजिक मूल्यों का ह्रास जैसी नकारात्मक समस्याऐं भी प्रभावी हुई हैं। यद्यपि पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है तथा पर्यटन के द्वारा सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है, लेकिन यह स्थानीय संस्कृति में परिवर्तन, परम्पराओं का वस्तुकरण और सांस्कृतिक टकराव जैसी समस्याओं को भी उत्पन्न करता है। पर्यटन आगरा नगर को उच्च अवस्था में विकसित बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है, परन्तु इसके दुष्प्रभावों को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है। पर्यटकों के लिए उचित नियम तथा कानून बनाकर एवं सतत पर्यटन को बढ़ावा देकर, आगरा नगर की धरोहर तथा संस्कृति को सुरक्षित एवं संरक्षित रखा जा सकता है।

8. सुझावः

यद्यपि पर्यटन के माध्यम से आगरा में अनेक परिवर्तन आए हैं तथा आगरा का विकास भी हुआ है, लेकिन फिर भी सरकार तथा आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा अनेक पर्यटन स्थलों, जो आगरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को प्रदर्शित करते हैं, के संरक्षण को नदरअंदाज किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत शोधार्थिनी द्वारा यह सुझाव दिए गए हैं कि सरकार तथा आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा पर्यटन स्थलों मुख्यतः ताजमहल तथा आगरा फोर्ट एवं पर्यटन स्थलों के नजदीकी क्षेत्रों जैसे- फतेहाबाद रोड, ताजगंज तथा मेहताबबाग को सुन्दर एवं आकर्षित बनाने के साथ सम्पूर्ण आगरा की सभी ऐतिहासिक इमारतों तथा सम्पूर्ण नगर को स्वच्छ, सुन्दर एवं आकर्षित बनाकर ऐतिहासिक धरोहर एवं संस्कृति को सुरक्षित तथा संरक्षित रखा जाए। आगरा की संस्कृति तथा इतिहास के सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाए, जिससे आगरा को स्थायी, समृद्ध एवं पर्यावरण संवेदनशील पर्यटन स्थल के रूप में विकसित एवं स्थापित किया जा सके।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. Srivastava, S. (2011). Economic potential of tourism: a case study of Agra. *Tourismos: An International Multidisciplinary Journal of Tourism*. *6*(2), 139-158.
2. Arunmozhi, T. and Panneerselvam, A. (2013). Types of tourism in India. *International Journal of Current Research and Academic Review*. *1*(1), 84-88.

3. Mishra, A. (2013). A study of the factors influencing cultural tourists' perception and its measurement with reference to Agra. *The IUP Journal of Marketing Management*. *xii*(4),42-64.
4. Bhushan, V. and Sachdeva, D.R. (2014). *An introduction to sociology*. New Delhi, Kitab Mahal Distributors.
5. Sandeep, K. and Vinod, K. (2014). Perception of socio-culture impacts of tourism: a sociological review. *International Journal of Social Sciences*. *3*(2), 40-43.
6. Singla, M. (2014). A case study on socio-cultural impacts of tourism in the city of Jaipur, Rajasthan: India. *Journal of Business Management & Social Sciences Research*. *3*(2), 10-23.
7. Shankar, S. (2015). Impact of heritage tourism in India- a case study. *International Journal of Innovative Research in Information Security*. *6*(2), 59-61.
8. Shahzalal, M. (2016). Positive and negative impacts of tourism on culture: a critical review of examples from the contemporary literature. *Journal of Tourism, Hospitality and Sports*. *20*,30-34.
9. Vishal, S., Varadhan, B.H., Amruta, A., Swapnil, R. and Rao, P.S. (2016). A case study of Taj Mahal visitor satisfaction and carrying capacity. *Journal of Hospitality Management and Tourism*. *7*(4), 43-49.
10. Banerjee, M. (2021). Management of socio-economic potential of tourism: a case study of Agra. *International Journal of Recent Scientific Research*. *12*(10.a), 43222-43227.
11. Rao, K. V. and Rao, P.P. (2022). The impact of tourism on Indian culture. *International Journal of creative Research Thoughts*. *10*(2), e165-e176.
12. https://egyankosh.ac.in/unit-1/
13. https://egyankosh.ac.in/unit-2/
14. https://egyankosh.ac.in/unit-13/
15. https://flyextremeworld.com/pg/tourism/15-the-impact-of-taj-mahal-in-agra-tourism.html
16. https://www.clearias.com/cultural-tourism-in-india/
17. https://www.indianbureaucracy.com/41st-edition-of-hunar-haat-in-agra-uttar-pradesh/
18. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1826420